राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के अंतर्गत तैयार
ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के हिमनद झील एटलस का विमोचन

Release of Glacial Lake Atlas of Brahmaputra River Basin
Prepared under National Hydrology Project

जल शक्ति मंत्रालय ,जल संसाधन विभाग ,नदी विकास एवं गंगा संरक्षण (डीओडब्ल्यूआर , आरडी एंड जीआर) भारत सरकारद्वारा प्रायोजित तथा विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषितराष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र एक केंद्रीय कार्यान्वयन एजेंसी है। इसके भाग के रूप में ,एनआरएससी 'हिमालय क्षेत्र के भारतीय नदी बेसिनों में हिमनद झीलोंके हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (जीएलओएफ)के जोखिम मूल्यांकन'कार्य कर रहा है, जिसके अंतर्गत जोखिम हिमनद झीलों और जीएलओएफ के जोखिम मूल्यांकन की प्राथमिकता में उपयोग के लिएब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में हिमनद झीलों की एक अद्यतन सूची तैयार की गई है।

National Remote Sensing Centre is one of the Central Implementing Agency under National Hydrology Project (NHP) sponsored by Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation (DoWR, RD&GR), Govt. of India with financial aid from the World Bank. As part of this, NRSC is carrying out 'Glacial Lake Outburst Flood (GLOF) Risk Assessment of Glacial Lakes in the Himalayan Region of Indian River Basins' under which an updated inventory of Glacial Lakes in the Brahmaputra river basin is generated for use in prioritization of critical glacial lakes and GLOF risk assessment.

उपरोक्त के प्रयोग से ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन का हिमनद एटलस तैयार किया गया है तथा 05 जुलाई 2022 को विडियो कॉन्फरेंस के माध्यम सेडॉ . शांतनु भाटवडेकर, वैज्ञानिक सचिव,इसरो /अंतरिक्ष विभागएवं डॉ.प्रकाश चौहान, निदेशक,एनआरएससी की उपस्थिति में श्री पंकज कुमार,सचिव,जल संसाधन विभाग,आरडी एवं जीआर, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा औपचारिक विमोचन किया गया। ब्रह्मपुत्र बेसिन हिमनद झील एटलस में वर्ष 2016-17 के उच्च विभेदन रिसोर्ससैट- 2 LISS4 एमएक्स उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए 0.25 हेक्टेयर से अधिक आकार की 18,001हिमनद झीलों के स्थानिक वितरण को दर्शाया गया है , जिसमें 3,99,833 वर्ग किमी के भौगोलिक क्षेत्र को शामिल किया गया है। एटलस क्षेत्र , प्रकार और ऊंचाई और प्रशासनिक इकाई के अनुसार हिमनद झीलों का विवरण प्रस्तुत करता है। एटलस संभावित महत्वपूर्ण हिमनद झीलों की पहचान करने और परिणामस्वरूप जीएलओएफ जोखिम मूल्यांकन के लिए उपयोगी होगा।यह केंद्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के लिए आपदा न्यूनीकरण योजना और संबंधित कार्यक्रमों में भी सहायता करता है। ध्यान दिया जाए कि सिंधु और गंगा नदी घाटियों के हिमनद एटलस क्रमशः 02दिसंबर2020 और 29जून2021 को जारी किए गए थे।

Using above, Glacial Atlas of Brahmaputra River Basin has been prepared and formally released by Shri. Pankaj Kumar, Secretary, DoWR, RD&GR, Ministry of Jal Shakti in the presence of Dr. ShantanuBhatawdekar, Scientific Secretary/ISRO, DOS & Dr. PrakashChauhan, Director, NRSC and on 05 July, 2022 through a Video Conference event. The Brahmaputra basin glacial lake atlas depicts spatial distribution of 18,001 glacial lakes of size greater than 0.25 ha mapped using high resolution Resourcesat-2 LISS4 MX satellite data of 2016-17 covering geographical area of 3,99,833 sq.km. The atlas presents the details of glacial lakes in terms of area, type and elevation and administrative unit wise. The atlas is useful for identifying the potential critical glacial lakes and consequent GLOF risk assessment. It also assists disaster mitigation planning and related programs for Central and State Disaster Management Authorities. It may be noted that Glacial Atlases of Indus and Ganga River Basins were already released on 02-Dec-2020 and 29-Jun-2021 respectively.

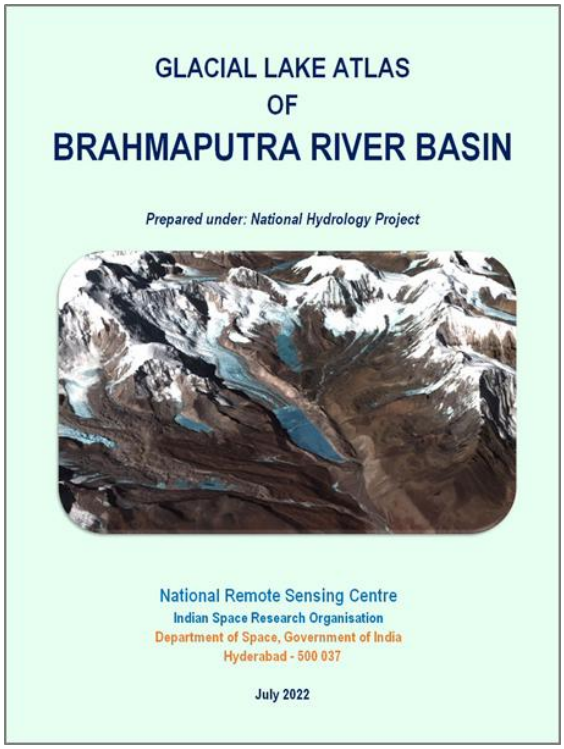

05जुलाई 2022 को विडियो कॉन्फरेंस के माध्यम से , डॉ.शांतनु भाटवड़ेकर, वैज्ञानिक सचिव, इसरो/अंतरिक्ष विभागएवं डॉ. प्रकाश चौहान, निदेशक, एनआरएससी की उपस्थिति में श्री पंकज कुमार, सचिव, जल संसाधन विभाग, आरडी एवं जीआर, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा विमोचन

Release of ‘Glacial Lake Atlas of Brahmaputra River Basin’ by Shri. Pankaj Kumar, Secretary, DoWR, RD&GR, Ministry of Jal Shakti in the presence of Dr.PrakashChauhan, Director, NRSC and Dr.ShantanuBhatawdekar Scientific Secretary/ISRO, DOS on 05 July, 2022 through a Video Conference event.